अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का समाधान आपसी बातचीत और राजनयिक चर्चा संवाद से होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

राष्ट्रमंडल देशों को मानवता के कल्याण के सामूहिक लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष

...

असम विधानसभा ने राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक और शैक्षणिक अवसंरचना को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाई है: असम के मुख्यमंत्री, श्री हिमंत बिस्वा सरमा

...

लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन किया

गुवाहाटी, 09 अप्रैल, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, जो कल गुवाहाटी पहुंचे थे, ने आज राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की कार्यकारी समिति की बैठक का उद्घाटन किया।

श्री बिरला ने कहा की भारत का अटल विश्वास है कि विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का समाधान आपसी बातचीत और राजनयिक चर्चा संवाद से होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा की अंतर्राष्ट्रीय शांति और स्थिरता वैश्विक समृद्धि के लिए अनिवार्य है। जलवायु परिवर्तन के विषय में श्री बिरला ने सीओपी26 के अंतर्गत अनुमोदित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। उन्होंने इसके लिए इंटरनेशनल सोलर एलायंस जैसे इनिसिएटिव् का उल्लेख किया तथा 2030 तक एसडीजी के लक्ष्यों को प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया ।

श्री बिरला ने कहा कि भारत लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रबल समर्थक है। यह विचार व्यक्त करते हुए कि भारतीय लोकतंत्र प्राचीन और जीवंत है, श्री बिरला ने कहा कहा कि लोकतंत्र हमारे विचारों और कार्यों में है और जीवन का एक तरीका बन गया है। आजादी का अमृत महोत्सव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी आजादी के इन 75 सालों में हमारा लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है और समय के साथ लोकतंत्र पर हमारे लोगों का विश्वास बढ़ा है।

पंचायत से संसद तक चुनाव कराने में भारत की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि 800 संसदीय सीटों, लगभग 4500 विधानसभा सीटों और 2.75 लाख पंचायतों के चुनाव कराने में हमारी दृढ़ता और सफलता बताती है कि भारतीय लोकतंत्र कार्यात्मक, प्रगतिशील और सफल लोकतंत्र है। श्री बिरला ने कहा कि प्रधान मंत्री के नेतृत्व में भारत एक समृद्ध और विकसित देश के रूप में उभरा है।

विविधता में एकता को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भाषाई, सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक विविधताओं के बावजूद हम सभी एकजुट हैं।

श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि राष्ट्रमंडल देशों की लोकतांत्रिक संस्थाएं किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं और इन देशों को मानवता के कल्याण के सामूहिक लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों में भारत की उपलब्धियां और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में नेतृत्व लक्ष्य के प्रति हमारे प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को हासिल कर लेगा।

असम के मुख्य मंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस अवसर पर कहा कि यह असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि यह पहली बार भारत में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की मध्य वर्ष की कार्यकारी समिति की बैठक हो रही है। मुख्य मंत्री ने कहा कि हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे में, असम विधान सभा, भारत की सबसे पुरानी विधानसभाओं में से एक है, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा के बाद दूसरे स्थान पर है।

भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई, जो असम के पहले प्रधानमंत्री थे, को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ दशकों के दौरान असम विधान सभा ने कई ऐतिहासिक बहसें देखी हैं, जिसमें कई महान हस्तियां ने लोकतंत्र के इस मंदिर को सुशोभित किया है । राज्य के विकास में विधानसभा की भूमिका का उल्लेख करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि असम विधानसभा ने असम के विकास की कहानी को एक दिशा देते हुए राज्य के सामाजिक-सांस्कृतिक और शैक्षणिक ढांचे को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा ने कई ऐतिहासिक विधेयक पारित किए हैं, जिससे लोगों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं।

सीपीए के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री इयान लिडेल-ग्रेंजर ने सी पी ए की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि गुवाहाटी में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान सार्थक चर्चा होगी और वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए रणनीतियों को खोजने में मदद मिलेगी।

असम विधान सभा के अध्यक्ष श्री बिस्वजीत दैमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सीपीए कार्यकारी समिति ने तीन साल बाद कोविड महामारी के कारण गुवाहाटी में शारीरिक रूप से मुलाकात की जिसमे राष्ट्रमंडल देशों के प्रतिनिधिओं ने शारीरिक और आभासी रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री, संसद सदस्य, असम सरकार के मंत्री, विधान सभा के सदस्य और लोक सभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह उपस्थित थे।

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।